भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3233
दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कैंसर के बढ़ते मामले

† 3233. श्री राजेशभाई नारणभाई चुड़ासमाः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में कैंसर के बढ़ते मामलों के संबंध में कोई अनुसंधान कराया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में कैंसर के वर्ष-वार कितने मरीज थे और उक्त अवधि के दौरान बीमारी से ठीक होने और मरने वाले रोगियों की संख्या का वर्ष-वार अनुपात क्या है; और
(घ) कैंसर के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने सूचित किया है कि राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (ICMR-NCRP) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 तक देश में कैंसर के रोगियों के मामलों की अनुमानित संख्या 15,33,055 है। रजिस्ट्री आंकड़ों के अनुसार वर्ष-वार कैंसर के मामलों एवं मृत्युओं की अनुमानित संख्या का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है। आईसीएमआर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अनुमानित कैंसर के मामलों की संख्या में वृद्धि का कारण कैंसर का पता लगाने के लिए बेहतर नैदानिक तकनीकियों की पहुंच और उनकी उपलब्धता, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, बुजर्ग लोगों की संख्या में बढ़ोतरी, स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार आना है। इसके अलावा, कैंसर सहित असंचारी रोगों (एनसीडी) से जुड़े पारंपरिक जोखिम कारकों जैसे तंबाकू और शराब का सेवन, अपर्याप्त शारीरिक गतिविधियाँ, अस्वास्थ्यकर आहार, अधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा का सेवन आदि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(घ): सरकार असंचारी रोगों के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) चला रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से सामान्य असंचारी रोगों (एनसीडी) के जोखिम कारकों की रोकथाम और नियंत्रण तथा कैंसर और अन्य असंचारी रोगों से होने वाली असामयिक रुग्णता और मृत्यु दर में कमी लाना है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, मामलों के प्रबंधन और रेफरल के साथ-साथ बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना है। रोकथाम, शीघ्र निदान, किफ़ायती उपचार, पुनर्वास, जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन संचार के लिए

स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न स्तरों पर क्षमता निर्माण प्रदान किया जाना है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने तीन सामान्य कैंसर (मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) की जांच के लिए एक राष्ट्रीय स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू कर दिया है। अधिक जानकारी मंत्रालय की वेबसाइट पर नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध है- https://www.mohfw.gov.in/?q=en/organisation/Departments-of-Health-and-Family-Welfare/national-programme-prevention-and-control-cancer-diabetes-cardiovascular-disease-and-Stroke-NPCDCS

*****

अनुलग्नक

भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या, वर्ष-वार*

वर्ष	2019	2020	2021	2022	2023	2024
अनुमानित संख्या	13,58,415	13,92,179	14,26,447	14,61,427	14,96,972	15,33,055

भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित मृत्यु दर, वर्ष-वार**

वर्ष	2019	2020	2021	2022	2023
कैंसर से मरने वाले रोगियों की अनुमानित संख्या	7,51,517	7,70,230	7,89,202	8,08,558	8,28,252

स्रोत: आईसीएमआर

*राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट, 2020

**भारत के लिए अनुमानित मृत्युओं के मामलों की गणना, मुंबई मृत्यु संख्या/घटना (एमआई) अनुपात को अनुमानित कैंसर की घटना के मामलों पर लागू करके की गई।

*****